अध्ययन का अनुक्रम

	पृष्ठ संख्या
आभार ज्ञापन	i-ii
भूमिका	iii-vi
प्रथम अध्याय : प्रतिपाद्य विषय का स्वरूप	**1-22**
1.1 विषय प्रवेश	
1.2 सम्बंध साहित्य का सर्वेक्षण	
1.3 विषय परिसीमन	
1.4 विषय का महत्त्व	
द्वितीय अध्याय : दलित साहित्य : सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य	**23-108**
2.1 दलित : अर्थ, नामकरण एवम् परिभाषा	
2.2 दलित की अवधारणा	
2.2.1 सामाजिक संदर्भ में	
2.2.2 आर्थिक संदर्भ में	
2.2.3 राजनीतिक संदर्भ में	
2.2.4 सांस्कृतिक संदर्भ में	
2.3 दलित साहित्य : नामकरण एवम् स्वरूप	
2.4 दलित साहित्य की अवधारणा	
2.5 हिन्दी दलित साहित्य में दलित और गैर–दलित लेखन की तुलनात्मक वैचारिक दृष्टि	

2.6 हिन्दी दलित साहित्य : उद्‌भव एवम् विकास

2.7 दलित साहित्य और समाज

2.8 दलित आन्दोलन : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

2.8.1 ब्लैक पैन्थर

2.8.2 दलित पैन्थर

2.9 दलित आंदोलन : वर्तमान स्थिति

2.10 दलित साहित्य : वैचारिकता

2.10.1 बौद्ध दर्शन

2.10.2 मार्क्सवाद

2.10.3 गाँधीवाद

2.10.4 अम्बेडकरवाद

तृतीय अध्याय : मानवाधिकार : सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य 109-192

3.1 मानवाधिकार : अर्थ एवम् परिभाषा

3.2 मानवाधिकार : लक्षण एवम् वर्गीकरण

3.2.1 लक्षण

3.2.1.1 सामाजिक स्वरूप

3.2.1.2 सार्वभौमिकता

3.2.1.3 कल्याणकारी स्वरूप

3.2.1.4 दोतरफा प्रक्रिया

3.2.1.5 लोकहित में प्रयोग

3.2.1.6 गतिशीलता

3.2.1.7 सर्वव्यापकता

3.2.1.8 अविभाज्य

3.2.2 मानवाधिकारों का वर्गीकरण

3.2.2.1 नागरिक अधिकार

3.2.2.2 राजनैतिक अधिकार

3.2.2.3 आर्थिक अधिकार

3.2.2.4 सामाजिक अधिकार

3.2.2.5 सांस्कृतिक अधिकार

3.3 मानवाधिकार : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

3.4 मानवाधिकारों का सार्वभौमिक घोषणा–पत्र

3.5 अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों का संरक्षण

3.5.1 मेग्नाकार्टा

3.5.2 संयुक्त राष्ट्र चार्टर में मानवाधिकार

3.5.3 मानवाधिकार आयोग

3.5.6 अल्पसंख्यकों के संरक्षण तथा विभेद–निवारण पर उप–आयोग

3.5.7 महिलाओं की स्थिति पर आयोग

3.5.8 संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त

3.6 भारतीय संवैधानिक व्यवस्था के संदर्भ में मानवाधिकार (मौलिक अधिकार, कर्त्तव्य एवम् नीति–निर्देशक सिद्धान्त)

3.6.1 समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)

3.6.2 स्वतन्त्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)

3.6.3 शोषण के विरूद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)

3.6.4 धर्म की स्वतन्त्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)

3.6.5 संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-31)

3.6.6 संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

3.7 भारत में मानवाधिकारों के संरक्षण हेतु विभिन्न आयोग

3.7.1 मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993

3.7.2 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

3.7.3 अनुसूचित–जाति व अनुसूचित–जनजाति के लिए राष्ट्रीय आयोग

3.7.4 राष्ट्रीय महिला आयोग

3.7.5 राज्य मानवाधिकार आयोग

3.7.6 मानवाधिकार हनन पर क्षतिपूर्ति

3.7.7 न्यायिक सक्रियता

3.8 मानवाधिकार संरक्षण हेतु कार्यरत गैर–सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.)

3.8.1 अन्तराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार हेतु कार्यरत गैर–सरकारी संगठन

3.8.2 भारत में मानवाधिकार संरक्षण सम्बंधी कार्यरत गैर–सरकारी संगठन

3.9 मानवाधिकार एवम् दलित उत्पीड़न

3.10 मानवाधिकार : चुनौतियाँ एवम् भविष्य

चतुर्थ अध्याय : हिन्दी दलित कविता एवम् मानवाधिकार **193-256**

4.1 हिन्दी दलित कविता की पृष्ठभूमि

4.2 हिन्दी दलित कविता : आरम्भ एवम् विकास यात्रा

4.3 हिन्दी दलित कविता पर मध्यकालीन काव्य–परम्परा का प्रभाव

4.4 हिन्दी दलित कविता में अभिव्यक्त जीवन मूल्य

4.4.1 सामाजिक जीवन मूल्य

4.4.2 वर्ण व जाति सम्बंधी जीवन मूल्य

4.4.3 नारी सम्बंधी जीवन मूल्य

4.4.4 सांस्कृतिक जीवन मूल्य

4.4.5 आर्थिक जीवन मूल्य

4.5 हिन्दी दलित कविता का विद्रोही स्वर

पंचम अध्याय : हिन्दी दलित आत्मकथाओं में मानवाधिकारों का स्वरूप **257-314**

5.1 आत्मकथा : आरम्भ एवम् विकास

5.1.1 स्वतन्त्रतापूर्व हिन्दी आत्मकथा

5.1.2 स्वातन्त्रत्तोतर हिन्दी आत्मकथा

5.2 हिन्दी दलित आत्मकथा की विकास–यात्रा

5.3 मराठी एवम् हिन्दी आत्मकथाओं की तुलनात्मक दृष्टि

5.4 हिन्दी की दलित आत्मकथाओं में व्यक्त विभिन्न पहलू

5.4.1 सामाजिक रूढ़ियों के प्रति विद्रोह

5.4.2 चातुर्वर्ण्य व्यवस्था

5.4.3 हिन्दू धर्म और संस्कृति से विद्रोह

5.4.4 राजनीतिक व्यवस्था के प्रति रोष

5.4.5 दलित जीवन के दुखद यथार्थ की अभिव्यक्ति

5.4.5.1 जातिगत भेदभाव

5.4.5.2 आर्थिक विपन्नता

5.4.5.3 बालश्रम

5.4.5.4 बेगार प्रथा

5.4.6 विघटित मानवीय मूल्य

षष्ठ अध्याय : हिन्दी दलित कहानियों में अभिव्यक्त मानवाधिकारों के विविध आयाम 315-370

6.1 हिन्दी दलित कहानी की शुरूआत

6.2 हिन्दी दलित कहानियों में अभिव्यक्त मानवाधिकारों के विविध आयाम

6.2.1 बँधुआ मजदूरी

6.2.2 निर्धनता व ऋणग्रस्तता

6.2.3 जातिगत भेदभाव व असमानता

6.2.4 अस्पृश्यता

6.2.5 जातिगत हीनताबोध

6.2.6 सवर्णों का अमानवीय व संवदेनाशून्य व्यवहार

6.2.7 दलित स्त्री शोषण

6.2.8 धार्मिक शोषण

6.2.9 मैला ढ़ोने व गंदगी साफ करने की कुप्रथा

6.2.10 अन्यायी पंचायती राज व्यवस्था

6.2.11 भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था व पुलिस का अत्याचार

6.2.12 शैक्षणिक संस्थानों में अत्याचार

सप्तम अध्याय : हिन्दी दलित साहित्य की अन्य विधाओं में मानवाधिकारों की अभिव्यक्ति **371-420**

7.1 हिन्दी उपन्यासों की विकास परम्परा में दलित उपन्यास

7.2 मानवाधिकारों के संदर्भ में हिन्दी दलित उपन्यासों के विविध पक्ष

7.2.1 सामाजिक पक्ष

7.2.2 आर्थिक पक्ष

7.2.3 धार्मिक पक्ष एवम् सांस्कृतिक पक्ष

7.2.4 शैक्षणिक पक्ष

7.2.5 राजनीतिक पक्ष

7.2.6 दलित स्त्री शोषण

7.3 हिन्दी दलित नाटक

7.4 हिन्दी दलित आलोचना, निबंध एवं वैचारिक लेखन

अष्टम अध्याय : उपसंहार **421-436**

8.1 शोध का सार

8.2 शोध निष्कर्ष व सीमाएँ

8.3 भावी शोध संकेत

परिशिष्ट **437-469**

क. साक्षात्कार

ख. आधार ग्रंथ सूची

ग. सहायक ग्रंथ सूची

घ. अंग्रेजी–ग्रंथ

ड. शब्दकोश

च. पत्रिकाएँ

छ. पत्र

ज. प्रकाशित शोध पत्र